पावन स्मृति
2023

21 अक्टूबर, 2023

इतनी सी बात हवाओं को बताये रखना,
रोशनी होगी चिरागों को जलाये रखना,
लहू देकर की है जिसकी हिफाजत हमने,
ऐसे तिरंगे को हमेशा अपने दिल में बसाये रखना।

शहीद पुलिस परिजनों से मिलते हुए
मा. मुख्यमंत्री, उ.प्र.

पुलिस स्मृति दिवस

2023

21 अक्टूबर, 2023

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

राज भवन
लखनऊ–226 027
10 अक्टूबर, 2023

संदेश

'पुलिस स्मृति दिवस' 21 अक्टूबर, 2023 के अवसर पर मैं प्रदेश के उन सभी वीर पुलिसजनों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ, जिन्होंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुये देश एवं प्रदेश की सुरक्षा में अपने प्राणों का बलिदान किया है।

उत्तर प्रदेश पुलिस बल का इतिहास स्वर्णिम एवं गौरवशाली रहा है। इस बल की भारतवर्ष में ही नहीं, अपितु विश्व में अपनी एक अलग पहचान है। उत्तर प्रदेश जैसे सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य में पुलिस का कार्य निःसन्देह चुनौती भरा है। अपराध नियंत्रण एवं सुदृढ़ कानून–व्यवस्था सुनिश्चित करना ऐसे कार्य हैं, जिनमें पुलिस कर्मियों को न केवल निरन्तर सजगता एवं सतर्कता बरतनी होती है, बल्कि प्रत्येक क्षण नई चुनौतियों का सामना करते हुए अपने जीवन को जोखिम में डालना पड़ता है। विगत वर्ष उत्तर प्रदेश पुलिस के 03 बहादुर जवानों ने कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुतियाँ दी हैं। ऐसे पुलिसजन जिन्होंने अपने अमूल्य जीवन का बलिदान देकर कर्तव्य परायणता एवं शौर्य प्रदर्शन का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है, उन्हें मेरा कोटिशः नमन्।

मुझे विश्वास है कि जनमानस में सुरक्षा व शान्ति की भावना जागृत करने के उद्देश्य से हमारे इन वीर शहीदों की निष्ठा एवं साहस से प्रेरणा लेकर हमारे समस्त पुलिसजन कर्तव्य के पथ पर निरन्तर अग्रसर होंगे।

पुस्तिका 'पावन स्मृति' के सफल प्रकाशन के लिये मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

आनंदीबेन
(आनंदीबेन पटेल)

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

लोक भवन,
लखनऊ–226001

दिनांक : 19 अक्टूबर, 2023

संदेश

''पुलिस स्मृति दिवस'' के अवसर पर, निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सभी पुलिस कार्मिकों को मैं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

पुलिस, समाज की सजग प्रहरी एवं सुरक्षा कवच है। कानून और व्यवस्था को बनाये रखने एवं सुरक्षा का वातावरण स्थापित करने में हमारे पुलिस बलों द्वारा किये गये उत्कृष्ट प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए बलिदान देने वाले पुलिस कर्मियों की गौरवगाथा वर्तमान पीढ़ी के लिये अत्यन्त प्रेरणादायक है।

प्रदेश में अपराधियों के विरूद्ध की गई पुलिस कार्यवाहियों में पुलिस बल के कई जवानों ने अद्भुत साहस एवं शौर्य का प्रदर्शन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। विगत एक वर्ष में उत्तर प्रदेश पुलिस के 03 वीर जवान कर्तव्य पालन के दौरान शहीद हुए हैं।

''पुलिस स्मृति दिवस'' के अवसर पर मैं शहीद पुलिस कर्मियों के परजिनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए यह आश्वस्त करता हूँ कि उत्तर प्रदेश सरकार शहीद पुलिस कर्मियों की स्मृतियों को जीवित रखेगी एवं उनके परिजनों के कल्याण हेतु सदैव तत्पर रहेगी।

कर्तव्यपरायण वीर शहीद पुलिस कार्मिकों को मैं पुनः नमन करते हुए उत्तर प्रदेश वासियों की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

(योगी आदित्यनाथ)

विजय कुमार, आई.पी.एस.
पुलिस महानिदेशक एवं
राज्य पुलिस प्रमुख, उत्तर प्रदेश

मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उ०प्र०
सिग्नेचर बिल्डिंग
शहीद पथ, गोमती नगर विस्तार,
लखनऊ– 226002
फोन नं0 0522–2724003/2390240, फैक्स नं0 0522–2724009
सीयूजी नं0 9454400101
ई–मेल : police.up@nic.in
वेबसाईट : https://uppolice.gov.in

दिनांक : 11 अक्टूबर, 2023

श्रद्धांजलि

प्रत्येक वर्ष **21 अक्टूबर** को हम सभी **'पुलिस स्मृति दिवस'** के रूप में उन वीर शहीद पुलिसजनों को श्रद्धांजलि देने के लिये मनाते हैं, जिन्होंने राष्ट्र व समाज की रक्षा के लिये, कर्तव्यपालन में संवेदनशीलता, समर्पण और बलिदान का अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत करते हुये अपने प्राणों की आहुति दी है।

आज से 64 वर्ष पूर्व भारत की उत्तरी सीमा लद्दाख के हिमाच्छादित जनहीन क्षेत्र में 21 अक्टूबर 1959 को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 10 जवान नियमित गश्त पर निकले थे। स्वचालित रायफलों व मोर्टारों से लैस चीनी सैनिकों ने छलपूर्वक हमारे क्षेत्र में घात लगाकर अचानक गश्ती दल पर हमला कर दिया। अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिये साधारण शस्त्रों के बावजूद पुलिस दल की टुकड़ी ने चीनी सैनिकों का डटकर मुकाबला किया। अप्रतिम वीरता का परिचय देते हुए केन्द्रीय पुलिस बल के 10 बहादुर जवानों ने अपने प्राणों की आहुतियाँ दी थी। इन्हीं अमर वीर जवानों की याद में पुलिस स्मृति दिवस मनाने की परम्परा प्रचलित है।

01 सितम्बर 2022 से 31 अगस्त 2023 तक की अवधि में सम्पूर्ण भारतवर्ष में कर्तव्य की वेदी पर 188 पुलिसजनों ने अपने प्राण न्योछावर किये। इनमें उत्तर प्रदेश के 03 पुलिसजन क्रमशः आरक्षी सन्दीप निषाद, राघवेन्द्र सिंह एवं आरक्षी भेदजीत सिंह सम्मिलित हैं। कर्तव्य पालन में आत्म बलिदान करने वाले इन वीरों के पराक्रम से प्रदेश का सम्पूर्ण पुलिस बल गौरवान्वित है।

हमारे वीर जवानों का यह बलिदान उनकी सच्ची समर्पण भावना एवं कर्तव्य–परायणता का द्योतक है तथा कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा के प्रति उनकी संकल्पबद्धता को प्रतिबिम्बित करता है। राष्ट्र आपके सर्वोच्च बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा। आपकी वीरता की यशोगाथायें भावी पीढ़ियों को युगो–युगो तक प्रेरणा प्रदान करती रहेंगी।

मैं इस पुनीत अवसर पर अपनी तथा प्रदेश पुलिस बल की ओर से इन सभी वीर पुलिसजनों को श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ। उनके परिवार को आश्वस्त करता हूँ कि उत्तर प्रदेश पुलिस सदैव उनके साथ है।

(**विजय कुमार**)
पुलिस महानिदेशक
उत्तर प्रदेश

पुलिस स्मृति दिवस–2023

कार्यक्रम

प्रातः 8:00 बजे
परेड फाल इन

प्रातः 8:20 बजे
पुलिस महानिदेशक, उ.प्र. का आगमन

प्रातः 8:25 बजे
मुख्य अतिथि का आगमन व अभिवादन

प्रातः 8:31 बजे
स्मृति परेड

प्रातः 8:55 बजे
पुष्प चक्र (रीथ) अर्पण

प्रातः 9:07 बजे
शोक शस्त्र एवं मौन (2मिनट)

प्रातः 9:09 बजे
मुख्य अतिथि व पुलिस महानिदेशक, उ.प्र.
की मंच पर वापसी

प्रातः 9:10 बजे
मुख्य अतिथि द्वारा सम्बोधन

मुख्य अतिथि के सम्बोधन के उपरान्त
परेड समाप्ति

केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल के 10 जवानों ने 21 अक्टूबर 1959 को भारत की उत्तरी सीमा लद्दाख के हिमाच्छादित जनहीन क्षेत्र में चीनी सैनिकों के कपटपूर्ण किये गये हमले को निष्प्रभावी कर अपने प्राणों की आहुति इसी स्थल पर दी थी।

भारत की उत्तरी सीमा की रक्षा करते हुए 21 अक्टूबर सन् 1959 को शहीद हुए वीर जवानों की सूची

1.	सी.टी.	ईमान सिंह	प्रथम वाहिनी	सी.आर.पी.
2.	सी.टी.	पूरन सिंह	प्रथम वाहिनी	सी.आर.पी.
3.	सी.टी.	नुरबू लामा	प्रथम वाहिनी	सी.आर.पी.
4.	सी.टी.	बेगराज	द्वितीय वाहिनी	सी.आर.पी.
5.	सी.टी.	माखनलाल	द्वितीय वाहिनी	सी.आर.पी.
6.	सी.टी.	शिवनाथ	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
7.	सी.टी.	मनजीत सुबा	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
8.	सी.टी	धरम सिंह	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
9.	सी.टी.	श्रवण दास	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
10.	सी.टी.	शेरिंग नुरबू	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.

पुलिस स्मृति दिवस–2023

जनसेवा का उच्च आदर्श हृदयंगम किये अनेकों पुलिस जन प्रति वर्ष कर्तव्यपथ का अनुगमन करते हुये वीरगति को प्राप्त होते रहे हैं। पुलिस जनों के कार्य की प्रकृति ही कुछ ऐसी है कि इसमें कदम–कदम पर जोखिम व जीवनभय सन्निहित है यही कारण है कि प्रतिवर्ष अपने कार्यो को अंजाम देने की प्रक्रिया में पुलिस कर्मी बड़ी संख्या में कर्तव्य की बलिवेदी पर अपनी प्राणाहुतियॉ देते रहे हैं। अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुये जन सेवा के उच्च आदर्श की प्राप्ति में मर–मिटने से भी गुरेज न करने वाले ये पुलिस जन मर कर भी अमर हो जाते हैं। इनकी कीर्ति व यशोगाथा समय के साथ क्षरित नहीं होती अपितु अविरल अनुप्राणित करती रहती है। पुलिस की भावी संततियों को उसी पथ पर द्विगुणित साहस व मनोयोग से आगे बढ़ने के लिये ऐसी एक गाथा आज से चौंसठ वर्ष पुरानी है ।

भारत की उत्तरी सीमा, लद्दाख का जनहीन क्षेत्र 15,000 फिट से ऊॅची बर्फ से ढके पर्वतों, दर्रो के बीच जहॉ कि सामान्य नागरिक सुविधाओं के उपलब्ध होने की कल्पना तक नहीं की जा सकती, वहॉ सदैव की भॉति उस दिन भी देश की सीमा के सजग प्रहरी ''केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल'' के जवान अपने नियमित गश्त पर निकले थे। गश्त के दौरान अचानक उन्हें लगा कि वे शत्रु से घिर चुके हैं। चीनी सैनिकों ने छलपूर्वक हमारे क्षेत्र में आकर हमारे ही सिपाहियों को पकड़ने के लिये एम्बुश लगाया था। चीनियों ने दावा किया कि वह क्षेत्र उनका है पर भारतीय पुलिस के जवान, जो कि अपने परिजनों को छोड़ सुख–सुविधा से दूर उस निर्जन क्षेत्र में मातृभूमि की रक्षा का प्रण लेकर आये थे, अपनी मातृभूमि का एक इंच टुकड़ा भी शत्रु को कैसे सौंप देते। प्राण देकर भी मातृभूमि की रक्षा करने की भारतीय बहादुरों की परम्परा पर उन्होंने आंच नहीं आने दी तथा साधारण शस्त्रों के सहारे ही ये जवान स्वचालित रायफलों व मोर्टारों से लैस चीनियों से भिड़ गये। इस प्रकार भारतीय पुलिस के दस बहादुर जवानों ने मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी ।

इस घटना का समाचार पाकर सारा राष्ट्र स्तब्ध रह गया। 21 अक्टूबर, 1959 का यह दिन हमारे जवानों की प्रेरणा का एक अनन्य श्रोत बन गया। मातृभूमि की रक्षा के लिये प्राणों तक का उत्सर्ग कर देने वाले बहादुरों का बलिदान सदैव हमें अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ रहने की प्रेरणा देता है। इन्हीं वीर जवानों की याद में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को सम्पूर्ण भारत के पुलिस जन वीरगति को प्राप्त हुए अपने साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। ''शत्–शत् नमन'' उन बहादुरों को जिनके लिये कर्तव्य पालन प्राणों से भी अधिक प्रिय रहा।

दिनांक 01 सितम्बर 2022 से 31 अगस्त 2023 तक की अवधि में सम्पूर्ण भारत में 188 पुलिसजनों द्वारा कर्तव्य की बेदी पर अपनी जीवनाहुतियॉ दी गई है, जिसमें आंध्रप्रदेश–01, अरूणाचल प्रदेश–02, असम–02, बिहार–08, छत्तीसगढ़–19, गुजरात–02, हिमाचल प्रदेश–07, झारखण्ड–02, कर्नाटक–16, केरल–02, मध्य प्रदेश–17, महाराष्ट्र–06, मणिपुर–08,

नागालैण्ड–02, उड़ीसा–01, पंजाब–03, राजस्थान–01, तमिलनाडु–03, उत्तर प्रदेश–03, उत्तराखण्ड–04, पश्चिम बंगाल–04, दिल्ली–03, जम्मू कश्मीर–08, लद्दाख–01, आसाम राइफल–01, बीएसएफ–22, सीआईएसएफ–01, सीआरपीएफ–15, आईटीबीपी–05, एसएसबी–05, एनडीआरएफ–01, आरपीएफ–13 जवान सम्मिलित हैं। उत्तर प्रदेश के समस्त पुलिसजन इनके महान कर्तव्यपालन व अप्रतिम बलिदान की सराहना में नतमस्तक हैं और अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

◆◆◆

दिनांक 01.09.2022 से 31.08.2023 तक की अवधि में कर्तव्यपथ पर वीरगति को प्राप्त हुए पुलिस कर्मियों की शौर्य गाथा से सम्बन्धित प्रमुख घटनायें

1. **स्व0 संदीप निषाद, आरक्षी नागरिक पुलिस 182030316, जनपद प्रयागराज।**
2. **स्व0 राघवेन्द्र सिंह, आरक्षी नागरिक पुलिस– 162730630. जनपद प्रयागराज।**

स्व0 संदीप निषाद

आरक्षी संदीप निषाद दिनांक 26.08.2021 को जी0डी0 नं०–28 समय 14.40 बजे मय कार्बाइन 02 मैगजीन 90 राउण्ड के साथ एवं आरक्षी राघवेन्द्र सिंह दिनांक 06.02.2023 को जी0डी0 नं0–47 समय 18.30 बजे मय कार्बाइन 02 मैगजीन 90 राउण्ड के साथ श्री उमेश पाल (गवाह स्व0 विधायक राजू पाल हत्याकाण्ड) की सुरक्षा डियूटी में रवाना किये गये थे। दिनांक 24.02.2023 को समय लगभग 17.00 बजे उमेश पाल निवासी सुलेम सराय बाजार, थाना धूमनगंज, प्रयागराज व उनके सुरक्षार्थ लगे गनर संदीप निषाद य राघवेन्द्र सिंह अपने घर की ओर जा रहे थे. जैसे ही घर के सामने गाड़ी रोककर गाड़ी से उतरे उसी समय 8–10 अज्ञात लोगों द्वारा फायरिंग करते हुये बमबाजी शुरू कर दी गयी। फायरिंग व बमबाजी से उमेश पाल व उनकी सुरक्षा में लगे गनर संदीप निषाद व गनर राघवेन्द्र सिंह गम्भीर रूप से घायल हो गये। हमले में घायल उमेश पाल को परिजनों द्वारा इलाज हेतु नजदीकी नरायण स्वरूप हास्पिटल ले जाया गया तथा घायल आरक्षीगण संदीप निषाद व राघवेन्द्र सिंह को स्थानीय पुलिस द्वारा एस0आर0एन0 हास्पिटल प्रयागराज ले जाया गया। इलाज के दौरान आरक्षी संदीप निषाद की दिनांक 24.02.2023 को मृत्यु हो गयी तथा आरक्षी राघवेन्द्र सिंह को चिकित्सकों द्वारा बेहतर इलाज हेतु दिनांक 26.02.2023 को एसजीपीजीआई, लखनऊ के लिये रेफर किया गया जहां उपचार के दौरान दिनांक 01.03.2023 को उनकी मृत्यु हो गयी।

स्व0 राघवेन्द्र सिंह

इस प्रकार आरक्षी संदीप निषाद एवं आरक्षी राघवेन्द्र सिंह द्वारा कर्तव्यों का निर्वहन करते हुये अपने प्राणों की आहुति दी गयी।

3. स्व0 भेदजीत सिंह, आरक्षी नागरिक पुलिस–212371484, जनपद जालौन।

स्व0 भेदजीत सिंह

आरक्षी नागरिक पुलिस श्री भेदजीत सिंह कोतवाली नगर उरई की चौकी हाईवे पर नियुक्त थे। दिनांक 10.05.2023 को दो अज्ञात व्यक्ति एक मोटर साइकिल पर सवार होकर गलत दिशा से झांसी की ओर जा रहे थे, जिनकों संदिग्ध समझ कर आरक्षी भेदजीत सिंह ने रूकने का इशारा किया, उनके न रूकने पर वह अपनी मोटरसाइकिल से उन संदिग्ध व्यक्तियों का पीछा किया। बदमाशों ने अपने को फंसता देख आरक्षी भेदजीत सिंह को घेर कर नुकीले धारदार व कुन्द हथियार से उनके सिर व शरीर के अन्य कई जगह प्रहार कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गयी।

इस प्रकार आरक्षी भेदजीत सिंह द्वारा कर्तव्यों का निर्वहन करते हुये अपने प्राणों की आहुति दी गयी।

◆◆◆

Police Commemoration Day

October 21st, 2023

S.No.	Rank	Late S/Sri
	ANDHRA PRADESH	
1.	PC	E PAVAN KUMAR
	ARUNACHAL PRADESH	
2.	CONSTABLE	CHINGRI MAMAI
3.	CONSTABLE	WANGNIAM BOSAI
	ASSAM	
4.	HEAD CONSTABLE	DHIREN DAIMARY
5.	HAVILDAR	NILA KANTA GOGOI
	BIHAR	
6.	SI	MD ABBAS
7.	SI	NAND KISHORE YADAV
8.	ASI	SATISH KUMAR
9.	ASI	BHUNESHWAR SINGH
10.	CONSTABLE	RAJESH KUMAR
11.	CONSTABLE	VIKRANT BHARTI
12.	CONSTABLE	BALMIKI KUMAR
13.	CONSTABLE	RAVISH BHARTII
	CHHATTISGARH	
14.	ASI	RAMURAM NAAG
15.	ASSISTANT PLATOON COMMANDER	VIJAY KUMAR YADAV
16.	HEAD CONSTABLE	RAJESH KUMAR SINGH
17.	HEAD CONSTABLE	SANJAY LAKRA
18.	HEAD CONSTABLE	JOGA SODHI
19.	HEAD CONSTABLE	PANNI RAM VETTI
20.	HEAD CONSTABLE	SANTOSH TAMO
21.	HEAD CONSTABLE	MUNNA KADTI
22.	CONSTABLE	NEVARU RAM BENJAM
23.	CONSTABLE	KUNJAM JOGA
24.	CONSTABLE	VANJAM BHIMA
25.	CONSTABLE	LAKHMU RAM MADKAMI
26.	CONSTABLE	ASARAM KADTI
27.	CONSTABLE	LALIT KUMAR
28.	CONSTABLE	DULGO MANDAVI
29.	CONSTABLE	JOGA KAWASI

S.No.	Rank	Late S/Sri
30.	CONSTABLE	HARIRAM MANDAVI
31.	ASSISTANT CONSTABLE	AVALAM BUDHRAM
32.	ASSISTANT CONSTABLE	SITARAM KADIYAM
	GUJARAT	
33.	HEAD CONSTABLE	JASHVANTSINH CHAUHAN
34.	CONSTABLE	DHARMENDRASINH PARMAR
	HIMACHAL PRADESH	
35.	SI	RAKESH KUMAR GORA
36.	ASI	VINOD BHAGTA
37.	HEAD CONSTABLE	PARVEEN KUMAR
38.	CONSTABLE	SACHIN RANA
39.	CONSTABLE	LAKSHAY MONGRA
40.	CONSTABLE	KAMAL JEET
41.	CONSTABLE	ABHISHEK SINGH
	JHARKHAND	
42.	SI	AMIT KUMAR TIWARY
43.	CONSTABLE	GOUTAM KUMAR

S.No.	Rank	Late S/Sri
	KARNATAKA	
44.	CPI	RAVI C UKKUND
45.	ASI	SHABBIR HUSSAIN
46.	ASI	SUBHASH MADIVAL
47.	ASI	K JAI SRINIVAS
48.	ASI	NAGARAJU M
49.	CHC	VENKATESH
50.	CHC	MYSUR @ MAYUR CHAVAN
51.	CHC	KAREPPA
52.	CHC	SIDDESHWAR N
53.	HC	SHIKANDAR NATIKAR
54.	CPC	SURESH N
55.	CPC	RAMESH MALLAPPA BOMBRI
56.	CPC	SHARANBASAPPA
57.	CPC	MAHESH
58.	CPC	NINGAPPA
59.	CPC	BN GUDDAD
	KERALA	
60.	SI	JOBY GEORGE
61.	SCPO	SABARUDHEEN MP

S.No.	Rank	Late S/Sri
	MADHYA PRADESH	
62.	INSPECTOR	RAJARAM WASKLE
63.	SI	BHOOPENDRA SINGH GURJAR
64.	ASI	RAMJAS SHARMA
65.	ASI	KANHIYALAL WASKLE
66.	ASI	JASWANT KUMAR TEKAM
67.	HEAD CONSTABLE	BHANU PRATAP BHADORIYA
68.	HEAD CONSTABLE	RADHESHYAM SIRSATHE (SISODIYA)
69.	HEAD CONSTABLE	CHAMPALAL SILALE
70.	HEAD CONSTABLE	CHHOTELAL SINGH BAGHEL
71.	CONSTABLE	PANKAJ MISHRA
72.	CONSTABLE	KHUMAN BHILALA
73.	CONSTABLE	JAGDISH HADA
74.	CONSTABLE	SURENDRA SINGH GOND
75.	CONSTABLE	RAVIKANT SAVITA
76.	CONSTABLE	GAJANAN ATWADE
77.	CONSTABLE	UPENDRA SINGH DANGI
78.	CONSTABLE	RAM PRASAD

S.No.	Rank	Late S/Sri
	MAHARASHTRA	
79.	API	SUDARSHAN BHIKAJI DATIR
80.	HEAD CONSTABLE	GAURAV NATTHUJI KHARWADE
81.	HEAD CONSTABLE	JAYANT VISHNUJI SHEREKAR
82.	HEAD CONSTABLE	VITTHAL EKNATH BADNE
83.	POLICE NAIK	SANJAY RANGRAO NETKE
84.	POLICE NAIK	AJAY BAJIRAO CHAUDHARI
	MANIPUR	
85.	HAVILDAR	HEISNAM JITEN SINGH
86.	HAVILDAR	THOKCHOM KIRAN SINGH
87.	HEAD CONSTABLE	DIMNGEL LENGLAM
88.	RIFLEMAN	TOURANGBAM RISHIKUMAR SINGH
89.	RIFLEMAN	TH THOIBA SINGH
90.	RIFLEMAN	PUKHRAM RANABIR SINGH
91.	RIFLEMAN	L SURAJIT SINGH
92.	RIFLEMAN	KH JITEN SINGH

S.No.	Rank	Late S/Sri
	NAGALAND	
93.	CONSTABLE	KEVISEKHO KHATE
94.	L/NAIK	T ZEWANGBA YIM
	ODISHA	
95.	CONSTABLE	SUSANTA KUMAR MOHANTY
	PUNJAB	
96.	SENIOR CONSTABLE	MANDEEP SINGH
97.	CONSTABLE	KULDEEP SINGH
98.	CONSTABLE	PARMINDER SINGH
	RAJASTHAN	
99.	CONSTABLE	PRAHLAD SINGH
	TAMIL NADU	
100.	HEAD CONSTABLE	P SUNDARAIH
101.	HEAD CONSTABLE	J SHEELA JEBAMANI
102.	POLICE CONSTABLE	J NAVANEETHA KRISHNAN

S.No.	Rank	Late S/Sri
	UTTAR PRADESH	
103.	CONSTABLE	SANDEEP NISHAD
104.	CONSTABLE	RAGHWENDRA SINGH
105.	CONSTABLE	BHEDJEET SINGH
	UTTARAKHAND	
106.	SI	PRADEEP SINGH RAWAT
107.	CONSTABLE	JAWHAR SINGH
108.	CONSTABLE	LAXMAN SINGH
109.	CONSTABLE	CHAMAN SINGH TOMAR
	WEST BENGAL	
110.	ASI	BILASH SADHU KHAN
111.	ASI	RAMANANDA DEY
112.	CONSTABLE	BAMDEV BAGDI
113.	PD	MD SANAUR ALI
	DELHI	
114.	ASI	SHAMBU DAYAL MEENA

S.No.	Rank	Late S/Sri
115.	HEAD CONSTABLE	PARDEEP
116.	CONSTABLE	BITTU
	JAMMU & KASHMIR	
117.	HEAD CONSTABLE	FAYAZ AHMAD
118.	HEAD CONSTABLE	FAROOQ AHMAD
119.	CONSTABLE	MOHAMMAD YAQOOB
120.	CONSTABLE	RAMESH KUMAR
121.	SPO	JAVID AHMAD DAR
122.	SPO	RAJAT CHOUDHARY
123.	SPO	ZAHOOR AHMAD KHAN
124.	SPO	MOHAN LAL
	LADAKH	
125.	CONSTABLE	MOHD RAZA
	ASSAM RIFLES	
126.	RIFLEMAN	ALOK RAO
	BSF	
127.	SI	DULAL CHANDRA SARMA
128.	ASI	BINOD KUMAR RAI
129.	ASI	GAGAN SINGH
130.	HEAD CONSTABLE	OM PRAKASH
131.	HEAD CONSTABLE	SARAT GOGOI
132.	HEAD CONSTABLE	VIJAY KUMAR
133.	HEAD CONSTABLE	SANJAY KUMAR DUBEY
134.	HEAD CONSTABLE	RAJPAL SINGH
135.	HEAD CONSTABLE	KRISHNA BAHADUR SHRESTHA
136.	CONSTABLE	AMIT KUMAR
137.	CONSTABLE	SANDIP BISWAS
138.	CONSTABLE	GOWTHAM K
139.	CONSTABLE	KAMLESHWARI TUDDU
140.	CONSTABLE	DHEERAJ KUMAR
141.	CONSTABLE	THORAT SUDHIR PANDHARINATH
142.	CONSTABLE	VINOD KUMAR PANDEY
143.	CONSTABLE	I SATHEESH
144.	CONSTABLE	KANHEYA LAL
145.	CONSTABLE	NARENDER KUMAR
146.	CONSTABLE	RANJIT YADAV
147.	CONSTABLE	VIPIN KUMAR

S.No.	Rank	Late S/Sri
148.	CONSTABLE	CHITTI BABU P
		CISF
149.	ASI	MALINATH GAVADE
		CRPF
150.	INSPECTOR	SUNIL KUMAR
151.	INSPECTOR	VIKAS KADYAN
152.	ASI	SULTAN SINGH MEENA
153.	HEAD CONSTABLE	AMIO DAIMARI
154.	HEAD CONSTABLE	HRIDAY NARAYAN SINGH
155.	HEAD CONSTABLE	BANSH RAJ SINGH
156.	HEAD CONSTABLE	RAVINDRA KUMAR YADAV
157.	HEAD CONSTABLE	MD HAKKEEM S
158.	HEAD CONSTABLE	PATIT CH SAHA
159.	CONSTABLE	CHITRANJAN KUMAR
160.	CONSTABLE	SATPAL
161.	CONSTABLE	RAVI KUMAR K
162.	CONSTABLE	BIKRAM KUMAR
163.	CONSTABLE	MAHESH SINGH
164.	CONSTABLE	SUSANTA KUMAR KHUNTIA
		ITBP
165.	AC	TIKAM SINGH NEGI
166.	SI	NARENDRA SINGH
167.	ASI	RAM CHHABILA SINGH YADAV
168.	CONSTABLE	ROHITASHWA SINGH BISHT
169.	CONSTABLE	BHUP SINGH MEENA
		SSB
170.	ASI	JEET KUMAR
171.	HEAD CONSTABLE	LAKSHMANA RAO ROKKAM
172.	CONSTABLE	ANUJ KUMAR
173.	CONSTABLE	PROSENJIT BARMAN
174.	CONSTABLE	RAKESH KUMAR YADAV
		NDRF
175.	CONSTABLE	JAGAN SINGH

S.No.	Rank	Late S/Sri
	RPF	
176.	ASI	BHARAT KUMAR PRAJAPATI
177.	ASI	TIKA RAM MEENA
178.	HEAD CONSTABLE	ASHOK KUMAR
179.	HEAD CONSTABLE	NAURAJ SINGH
180.	HEAD CONSTABLE	AZAD SINGH
181.	HEAD CONSTABLE	JITENDRA KUMAR
182.	HEAD CONSTABLE	DILIP FAKIRA SONAWANE
183.	HEAD CONSTABLE	GOPA CHARAN TIU
184.	CONSTABLE	MD IQBAL
185.	CONSTABLE	SULEMAN KHURSHID
186.	CONSTABLE	SUDHIR KUMAR SINGH
187.	CONSTABLE	DHAN KUMAR HAJONG
188.	CONSTABLE	SAROJ KUMAR NAIK

◆◆◆

The Last Post - A True Story

Reportedly, it all began in 1862 during the American Civil War, when Union Army Captain Robert Ellicombe was with his men near Harrison's Landing in Virginia. The Confederate Army was on the other side of the narrow strip of land.

During the night, Captain Ellicombe heard the moans of a soldier who lay severely wounded on the field. Not knowing if it was a Union or Confederate soldier, the Captain decided to risk his life and bring the stricken man back for medical attention. Crawling on his stomach through the gunfire, the Captain reached the stricken soldier and began pulling him toward his encampment.

When the Captain finally reached his own lines, he discovered it was actually a Confederate soldier, but the soldier was dead.

The Captain lit a lantern and suddenly caught his breath and went numb with shock. In the dim light, he saw the face of the soldier. It was his own son. The boy had been studying music in the South when the war broke out. Without telling his father, the boy enlisted in the Confederate Army.

The following morning, heartbroken, the father asked permission of his superiors to give his son a full military burial, despite his enemy status. His request was only partially granted.

The Captain had asked if he could have a group of Army band members play a funeral dirge for his son at the funeral.

The request was turned down since the soldier was a Confederate.

But, out of respect for the father, they did say they could give him only one musician.

The Captain chose a bugler. He asked the bugler to play a series of musical notes he had found on a piece of paper in the pocket of the dead youth's uniform.

This wish was granted.

The haunting melody, we now know as 'The Last Post' used at military funerals was born.

Contributed by

Sri. S.N. Singh

ADG (Rtd)

'अन्तिम धुन' – वास्तविक कहानी

यह गाथा है सन् 1862 के अमेरिकी गृह युद्ध के समय की जब यूनियन आर्मी सेना के कप्तान राबर्ट इलिकोम्बे अपने साथियों के साथ वर्जीनिया के हैरीसन लैंडिग के निकट थे तथा सामने दूसरी तरफ थी कानफेडरेट आर्मी।

युद्ध क्षेत्र में रात्रि के समय कैप्टन इलिकोम्बे ने एक सैनिक के कराहने की आवाज सुनी जो बुरी तरह जख्मी था। यह जाने बिना कि घायल सैनिक यूनियन आर्मी का है अथवा कानफेडरेट आर्मी का, कैप्टन ने अपनी जान को जोखिम में डालते हुए घायल सैनिक के चिकित्सीय मदद का निर्णय लिया। गोलाबारी के बीच रेंगते हुए कैप्टन घायल सैनिक तक पहुंच कर उसे अपने कैम्प की तरफ लाने लगा।

जब कैप्टन अन्ततः अपने कैम्प की सीमा में पहुंचा तब पाया कि वास्तव में वह एक कानफेडरेट सैनिक था, परन्तु वह सैनिक मर चुका था।

कैप्टन ने एक लालटेन जलाई और उसकी मद्धिम रोशनी में उक्त सैनिक का चेहरा देखा तो सदमे से सन्न रह गया। वह उसका अपना ही पुत्र था।

जब युद्ध शुरू हुआ तो वह लड़का 'साउथ' में संगीत का अध्ययन कर रहा था। अपने पिता को बिना बताये वह कानफेडरेट आर्मी में भर्ती हो गया था।

अगले दिन सुबह शत्रु सेना के लिये शहीद अपने पुत्र के शव को पूर्ण सैनिक सम्मान के साथ दफनाने के लिये अपने रूंधे हुए गले से वरिष्ठ अधिकारियों से कैप्टन ने अनुमति मांगी। उसके आग्रह को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया गया।

कैप्टन ने अपने पुत्र के अन्तिम संस्कार के समय आर्मी बैण्ड समूह द्वारा शोक धुन बजाये जाने की अनुमति मांगी।

कानफेडरेट आर्मी का सैनिक होने के कारण उसके आग्रह को अस्वीकार कर दिया गया। परन्तु पिता के सम्मान को दृष्टिगत रखते हुए उन्होंने बैण्ड के एक सदस्य को देने की अनुमति दी। कैप्टन ने एक 'बिगुलर' को चुना। कैप्टन ने मृत युवा सैनिक की वर्दी की जेब से मिले पत्र में लिखित संगीत श्रृंखला की धुन बजाने के लिये कहा। कैप्टन की यह इच्छा मान ली गयी।

यह वही 'अन्तिम धुन' है जो आज भी शहीद सैनिकों के सम्मान में गुंजायमान होती है।

The Last Post

Day is done
Gone the sun
From the lakes
From the hills

From the sky
All is well
Safely rest
God is nigh

Fading light
Dims the sight
And a star
Gems the sky
Gleaming bright
From afar
Drawing nigh
Falls the night

Thanks and praise
For our days
Neath the sun
Neath the stars
Neath the sky
As we go
This we know
God is nigh.

POLICE
HEADQUARTERS
पुलिस मुख्यालय
पुलिस मुख्यालय
अमर
जवान

21 अक्टूबर, 1959 स्मृतिका
उत्तरी लद्दाख सीमा

केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल के 10 जवानों ने 21 अक्टूबर, 1959 को भारत की उत्तरी सीमा लद्दाख के हिमाच्छादित जनहीन क्षेत्र में चीनी सैनिकों के कपटपूर्ण किये गये हमले को निष्प्रभावी कर अपने प्राणों की आहुति इसी स्थल पर दी थी।

राष्ट्रीय पुलिस स्मारक
National Police Memorial

राष्ट्रीय पुलिस स्मारक को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 21 अक्टूबर, 2018 को राष्ट्र को समर्पित किया।

मुद्रक : प्रकाश पैकेजर्स, लखनऊ